



# मेरी फुफ़ेरी बहन की शादी में मिली मेरी चाहत

“मेरी फुफ़ेरी बहन ने मेरे प्यार को टुकरा दिया था,  
उसी बहन की शादी में मैं गया तो उसके सामने उसकी  
सहेली को पटाने लगा। कहानी में पढ़ें कि बहन की  
चुदाई कैसे कर पाया। ...”

Story By: (amitdubey)

Posted: Monday, April 17th, 2017

Categories: [हिंदी सेक्स स्टोरी](#)

Online version: [मेरी फुफ़ेरी बहन की शादी में मिली मेरी चाहत](#)

# मेरी फुफ़ेरी बहन की शादी में मिली मेरी

## चाहत

दोस्तो, मैं अमित दुबे सबसे पहले आपने जो मेल किये उसके लिए आपका आभारी हूँ।  
जो पाठक नए हैं, वे पहले मेरी पुरानी कहानी

कालू बन गया चोदू

पढ़ लें ताकि वो आगे के मेरे नये रूप, कालू से अमित दुबे इतना बड़ा चोदू बनने की वजह से अवगत हो सकें।

मैं अमित दुबे, उम्र 21 वर्ष, अब पूरा बदल चुका हूँ, कल का कालू आज एक चालू इन्सान बन चुका है, बात बात पर झूठ बोलना, लड़कियों की झूठी तारीफ करना, कोई लड़की जरा सी लाइन दे, तो उसे बिस्तर पर लाकर मजा करना !

दोस्तो, मेरा जो लवड़ा है ना, उस पर एक काला तिल है, और कहते हैं जिसके लंड पर ऐसा तिल हो, उसे बहुत चुत मिलती है।

नेहा के मना करने के बाद, 18 साल से 21 साल तक की लाइफ बस अपने आप को बनाने में बीती। उस धोखे ने मुझे क्या से क्या बना दिया !

ऐसा नहीं है कि मुझे दुःख नहीं हुआ, मैं काफी डिप्रेशन में रहा, नेहा के साथ बिताया बचपन हर पल याद आता रहा पर मैंने अपने आप को बदल दिया।

एक दिन बुआजी हमारे घर आई, उन्होंने नेहा की शादी की पत्रिका हम लोगों को दी।

बुआजी जी मुझसे बोली- अमित, नेहा ने तुझे खास शादी में बुलाया है और 15 दिन पहले

आने का बोला है।

दोस्तो, उस शादी की पत्रिका को देख कर इतना दुःख हुआ कि कई रात मैं सो नहीं पाया। मुझे यह भी पता था कि नेहा ने मुझे जलाने के लिए बुलाया था, वो मुझे दिखाना चाहती थी कि मैं उसके किसी भी तरह से लायक नहीं था, उसकी शादी एक बहुत पैसे वाले परिवार में हो रही थी, उसका होने वाला पति भी एक बहुत बड़ी कम्पनी में काम करता था। कुल मिला कर मेरी राजकुमारी के लिए एक राजकुमार था वो!

मुझे दुःख भी था और खुशी भी कि मेरी नेहा का रिश्ता इतने अच्छे परिवार में हुआ है, दुःख बस इस बात का था कि उसके टुकराने का तरीका गलत था, वो चाहती तो एक मासूम से साफ़ दिल के इन्सान को प्यार से भी समझा सकती थी।

खैर दोस्तो, रात गई बात गई!

मैंने सोचा कि मुझे शादी में जाना चाहिए क्योंकि कुछ भी हो, नेहा को दुल्हन बने देखने के लिए मैं भी बेचैन था।

तो वक्त आ ही गया जब मैं बुआजी जी की लड़की नेहा की शादी में पहुँच गया। वहाँ जाकर हम सबसे मिले, मेरी नजर नेहा को ही खोज रही थी, आज 2 साल बाद मैं उसे देखने वाला था।

शादी का घर था तो वहाँ और भी बहुत मस्त मस्त माल आये हुए थे, मुझ कमीने की नजर हर लड़की पर थी पर जैसे ही नेहा का दीदार हुआ, क्या बताऊँ दोस्तो, क्यामत आ गई!

उफ़ क्या सुंदर बनाया कुदरत ने उसे! बीस साल की कमसिन जवान लड़की... चालू नजर से देखा जाए तो बूँस 30 के मस्त कड़क कपड़ों में से भी चुचूक का अहसास हो जाए, कमर 28 की और गांड पीछे की ओर निकली हुई लगभग 32" की!

एकदम मस्त लंड को खड़ा कर देने वाला माल!

नेहा को देख कर तो मुझे दुनिया की हर लड़की फीकी लगने लगी, उसकी और मेरी नजर मिली, एक दूसरे को कुछ पल के लिए तो देखते ही रह गए।

मैं भी जीन्स टीशर्ट और एक हीरो टाइप चश्मा लगा कर मस्त लग रहा था।

नेहा भी देखती रह गई, वो बोली- ओह अमित, कैसा है ? तू बहुत स्मार्ट हो गया है ? और आज कल क्या चल रहा है ?

पता नहीं मुझे क्या हुआ, मैंने उसकी बात का कोई जवाब नहीं दिया, मेरी बोलती बंद हो गई थी, बस मैं वहाँ से निकल गया।

एक कमरे में बिस्तर रखे थे, वहाँ जाकर बैठ गया, अब सारी पुरानी बातें एक फिल्म की तरह मुझे दिखाई देने लगी और आँखों से आंसू बहने लगे।

मेरी आँखों से आंसू बह ही रहे थे कि एक लड़की कमरे में आई, दिखने मैं एकदम करीना कपूर जैसी, आते ही मुझसे बोली- आप अमित हैं ?

मैं बोला- हाँ, आप कौन ?

वो बोली- मैं सुनीता, नेहा की बेस्ट फ्रेंड ! बुआजी ने आपके लिए चाय और पानी भेजा है !

मैं बोला- ठीक है लाइए !

वो चाय पानी देकर जाने लगी और जाते जाते रुकी, मेरी और पलटी और बोली- अमित, एक बात पूछूँ ?

मैं बोला- पूछो ?

तो बोली- आप रो क्यों रहे थे ?

अब उसे क्या बोलता, मैंने बोला- सुनीता जी, जिन्दगी में बहुत गम हैं पर आपसे मिल कर गमों से कुछ राहत मिली, आपसे किसी ने कहा है कि आप बहुत सुन्दर हैं ?

दोस्तो, आदत से मजबूर हूँ लड़की देखी और चालू हो गया !

शाम को एक रिश्तेदार के साथ बैठ के दारू की एक बोतल चढ़ाई, सब नाच गाने के लिए एक हाल में एकत्रित हुए थे, नेहा सामने थी पर मैं उसकी ओर देख भी नहीं रहा था। सुनीता बार बार मेरी ओर देख रही थी, मैं भी सुनीता को लाइन दे रहा था।

सुनीता ब्यूटी पार्लर चलाती थी और खुद को बहुत मेंटेन किये हुए थी।

मैं सबसे दूर अपने कुछ दोस्तों के साथ अलग बैठा था क्योंकि मैं नहीं चाहता था कि किसी को पता चले कि मैंने दारू चढ़ा रखी है।

पर नेहा ने एक बच्चे को भेज कर मुझे बुलाया और बोली- अमित, तुम मुझसे बात क्यों नहीं कर रहे ? अभी तक नाराज हो क्या ?

मैं बोला- मैं होता कौन हूँ नाराज होने वाला ? मेरी ओकात ही क्या है ?

नेहा ने ही बोला था कि तेरी ओकात क्या है ?

आज उसी की बात उसे ही बोल दी।

नेहा बोली- तूने दारू पी रखी है ?

मैंने बोला- हाँ पी है, पर तुमने जो धोखा दिया था, उसके नशे से तो बहुत कम नशा है दारू में!

3 दिन ऐसे ही निकल गए, नेहा मुझे देखती रही, मैं सुनीता को देखता रहा। सुनीता लगभग लगभग मुझसे पट चुकी थी, बस कहने भर की देर थी।

अगले दिन नेहा को लेकर बाजार जाना था, उसने मेरे साथ जाने की बात कही तो घर वालों के कहने पर ना चाहते हुए भी मुझे उसे लेकर जाना पड़ा।

बाजार में वो बोली- एक रेस्टोरेंट पर गाड़ी ले लो, मुझे तुमसे कुछ बात करनी है।

मैंने एक काफी कैफे पर गाड़ी रोक दी, वहाँ जाकर हम बैठ गए, वो बोली- ये क्या है

अमित ? तुम ये क्या कर रहे हो ? मेरे घर में मेरी ही शादी में मुझे इग्नोर कर रहे हो ? मेरी

बेस्ट फ्रेंड मुझसे ज्यादा तुम्हारे साथ रह रही है ? रोज दारू पी रहे हो, आखिर तुम चाहते क्या हो ?

मैंने बोला- देख नेहा, तू तेरी लाइफ जी... मैं अपनी जी रहा हूँ ! वैसे भी तेरी महरबानी से मैं क्या से क्या हो गया हूँ । अब वो कालू इस दुनिया में नहीं रहा !

वो बोली- आखरी बार तुझसे कुछ मांग रही हूँ, मैं कुछ दिन की मेहमान हूँ, फिर तो शादी करके चली जाऊँगी, तब तक फिर से मेरा दोस्त बन जा, मैं भी उस दोस्ती को बहुत याद करती हूँ ।

मैं बोला- देख, अब हम दोस्त नहीं बन सकते क्योंकि दोस्ती के लायक रिश्ता तूने रखा नहीं है ।

वो नाराज हो गई और बोली- चल घर चलते हैं ।

हमने बाजार से कुछ खरीदा भी नहीं और हम घर आ गए, उसने घर आकर बोल दिया कि आज दुकाने बंद थी तो हम वापस आ गए, अब फिर किसी दिन चले जाएँगे ।

उसके बाद 2 दिन और निकल गए, नेहा अपनी ही शादी में खुश नहीं थी, उसका पूरा ध्यान मुझ पर और सुनीता पर होता था ।

और मैं उसे जलाने के लिए और मजा ले रहा था, मैं भी बहुत तड़फा था उसके लिए...

आज उसे परेशान देख के अच्छा लग रहा था ।

अगली सुबह नेहा ने मुझे अपने कमरे में बुलाया, बोली- अमित मैं तुम्हारी गर्लफ्रेंड बनना चाहती हूँ, मेरी शादी में दस दिन बचे हैं, और ये दस दिन मैं तुम्हारे साथ बिताना चाहती हूँ, तुम्हारी होकर बिताना चाहती हूँ !

ऐसा बोल कर वो मुझसे लिपट गई और रोने लगी ।

दोस्तो, जिन्दगी भी अजीब खेल खेल रही थी, आज नेहा मेरे इतना करीब थी, मैं भी पिघल गया और उसे कस के गले लगा लिया ।

उस दिन पूरा दिन नेहा के चेहरे की रंगत देखने लायक थी, वो चहक रही थी, खुश थी। उस दिन हम बाजार गए, उसने हर चीज मेरी पसंद की ली। हमने खूब बातें की, मैं भी बहुत खुश था, मेरी जान मेरे साथ थी। पर इस बात का गम भी था कि वो किसी और की होने वाली है।

शाम को नाचने गाने की महफ़िल जमने वाली थी, उससे पहले मैं नेहा के कमरे में गया, उससे बोला- होंठ पर एक चुम्मा दे ना!

वो बोली- अमित यह गलत है!

मैं बोला- कुछ गलत नहीं है!

और उसकी ओर अपने होंठ बढ़ाए।

वो मेरी आँखों में देखने लगी और हमारे होंठ मिल गए 'मूऊऊ ऊहूह ऊउमूऊह...' उस दिन वो मेरे होठों को ऐसे चूस रही थी कि बरसों के प्रेमी मिले हों।

क्या अहसास था! नेहा की शादी मैं उसी के रूम में एक दूसरे की बाहों में!

एक सपने की तरह लग रहा था!

और नेहा तो ऐसे मेरे होठों को चूस रही थी कि किसी बच्चे को उसकी पसंदीदा आइसक्रीम मिल गई हो और वो उसे बिना देर किए खाने लगे!

मेरे तो पैर ही जमीन पर नहीं थे!

जिस नेहा ने मुझे इतना भला बुरा बोल कर मुझे मेरी औकात दिखाई थी, आज वो मेरे इतने करीब थी। एक नई दुल्हन बनने वाली लड़की जो हर तरह से सजी संवरी हुई थी, मेरे पास थी।

दोस्तो, लाइफ का एक फंडा है जिस चीज से हम दूर भागते हैं, वो हमारे पास होती है।

सीधी सी बात है जो हमारे पास होता है उसकी कद्र नहीं होती और जो दूर होता है उसकी चाहत होती है।

उस रूम में अच्छे से होठों को चूसने के बाद शाम को होने वाले नाच गाने में हम शामिल हुए, नेहा एक पलंग पर सज संवर कर बैठी थी और सब नाच रहे थे। मैं भी उसके पास ही बैठा था, हम दोनों चोर निगाह से एक दूसरे को देख रहे थे जैसे कोई प्रेमी प्रेमिका एक दूसरे को देखते हैं।

इतने में लाइट चली गई और अँधेरा गुप्प हो गया, मुझे पता नहीं क्या सूझा, मैंने नेहा के करीब जाकर उसके होठों पर एक चुंबन कर दिया। वो भी एकदम हुए इस हमले से चौंक गई पर फिर भी उसने भी मेरा साथ दिया जब तक उजाले के लिए कुछ जलाया जाता, हम होठों का रसपान करते रहे।

अब नेहा की शादी में मात्र 8 दिन बचे थे, हम कोई मौका नहीं छोड़ रहे थे, जहाँ मौका मिलता एक दूसरे को चूमते थे। नेहा बहुत खुश थी।

उस दिन नेहा को पास के एक शहर में एक परिचित के घर खाना खाने जाना था। हमारे इधर शादी से पहले दूल्हा हो या दुल्हन, उसे खाने पर सब अपने यहाँ बुलाते हैं।

नेहा ने मुझे साथ ले जाने की फरमाइश की और किसी को कोई तकलीफ नहीं थी क्योंकि बचपन से सब जानते थे कि नेहा और मैं कितने अच्छे दोस्त थे, सबको यही लग रहा था कि थोड़े दिन की लड़ाई के बाद अब हमारे बीच सब सामान्य था।

पर उन्हें क्या पता था अब सामान्य से कुछ खास था हमारे बीच !

हम दोनों घर से शहर के लिए फॉरव्हीलर से निकले सफ़र में !

नेहा ने मुझसे पूछा- अमित, मेरे मना करने के बाद की जिन्दगी के बारे में कुछ बता ?

मैं बोला- नेहा, तुझसे कुछ नहीं छुपा सकता ! उसके बाद मैं बहुत बिगड़ गया, मैंने बहुत लडकियों से दोस्ती की और बहुत गलत काम किये, दारू भी बहुत पी। तेरे बिना जीना मुमकिन नहीं था इसलिए अपना मन बहलाने के लिए ये सब किया।



वो बोली- बस दोस्ती ही की या और भी कुछ ?

मैं बोला- मैंने बहुत सी लड़कियों के साथ सेक्स भी किया है।

‘अपनी लाइफ के लिए भी कुछ किया या बस ये सब ही किया है?’

मैं बोला- मैंने BCA कर लिया है और मेरा एक शासकीय पद के लिए चयन भी हो गया है।

बहुत जल्द तेरा अमित एक सरकारी मुलाजिम होगा !

वो बोली- क्या बात कर रहा है ? तू तो इन 4 सालो मैं असली हीरो बन गया है... जीरो से हीरो !

मैं बोला- तूने टुकरा दिया तो मैं इतना बदल गया तो अगर तूने मेरा साथ दिया होता तो आज बात ही और कुछ होती !

उसने बोला- अब छोड़... आज मैं बहुत खुश हूँ, तूने मेरा दिल खुश कर दिया, आज तुझे जो मांगना है मांग ?

मैं बोला- अभी अपन शहर जा रहे हैं तो अपन कोई फिल्म देखने चलेंगे।

वो बोली- बिल्कुल चलेंगे, मैं खुद घर पर शाम तक का बोल के आई हूँ तो अपन पूरा दिन साथ घूमेंगे, खूब मजे करेंगे।

हम फिल्म देखने पहुँच ही गए, हमने कॉर्नर सीट ली और थोड़ी देर में हमारे हाथ एक दूसरे के हाथ में थे। फिल्म में ज्यादा भीड़ भी नहीं थी तो हम एक दूसरे के होठों का रसपान भी करने लगे।

दोस्तो, इन 4 सालों में इतनी लड़कियों को मसला था कि पता ही नहीं चला कब मेरे हाथ उसकी चुची को मसलने लगे। वो भी गर्म हो गई।

जैसे ही मैं उसका बोबा मसलता, वो ‘ऊऊउ ह्ह उम्मह... अहह... हय... याह... अह्ह ह्हह्ह अमी...त आह...’ की आवाज निकालती जा रही थी।

मैंने उसका हाथ पकड़ के अपने लवड़े पर जीन्स के उपर से ही रख दिया, उसने भी लंड पकड़ लिया और सहलाने लगी।

वो दिन बहुत यादगार बन गया, हमने बहुत मजा किया और शाम 6 बजे घर आये।

उसके बाद भी चैन नहीं मिला था तो घर के बाथरूम के बाहर की जगह मैं रात 9 बजे दोनों ने एक दूसरे के होंठ चूसे।

अगले 5 दिन हमने कोई मौका नहीं छोड़ा, कभी उसने मुझे पकड़ा, कभी मैंने उसे! उसकी चुची को भी खूब मसला और उसकी ऊऊऊ ऊऊऊ आआ आआआ ह्ह्हह ह्ह्हहा निकलती रही।

अब शादी में बस 3 दिन बचे थे, अगले दिन बारात आने वाली थी और दुल्हन एक अपने बचपन के दोस्त के साथ लगी थी मजा लेने में! नेहा से मैंने कहा- नेहा तू तो शादी के बाद चली जाएगी तो मैं तुझसे पूरी रात के लिए मिलना चाहता हूँ। पता नहीं फिर कब मिलेंगे तो हम पूरी रात चिपक के सोयेंगे और एक दूसरे को खूब प्यार करेंगे।

वो बोली- वो तो ठीक है, पर घर मेहमानों से भरा पड़ा है। ऐसे मैं कोई हमें देख ना ले? मैं बोला- तू तो अपने रूम में अकेली सोती है, मैं सबके सोने के बाद चुपचाप आ जाऊँगा और सुबह सबके जागने से पहले चला जाऊँगा!

वो बोली- ठीक है, आज रात को 11-12 बजे बाद आ जाना!

उस पूरे दिन हम दोनों को बेचैनी रही, दोनों रात का इंतजार करते रहे!  
दोस्तो क्या पल थे वो भी!

इसके बाद की कहानी में वही सब हुआ जो आप अन्य कहानियों में पढ़ते रहते हैं।

coolamit9973@rediffmail.com

## Other stories you may be interested in

### पार्क में मिले गाण्डू अंकल की चुदाई

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम अमित शर्मा (परिवर्तित नाम) है. मैं ग्वालियर शहर (म.प्र.) का रहने वाला हूँ. मेरी उम्र 26 साल है. मैं एक छोटी सी सरकारी नौकरी में भोपाल शहर में कार्यरत हूँ, इसलिए अपना वास्तविक नाम यहां नहीं [...]

[Full Story >>>](#)

### बहन की चुदाई करवायी बाँस से-3

कुछ देर में ही उनका लंड दुबारा खड़ा हो गया तो वो मुझे बोले- देखो, ये फिर तैयार हो गया. तुम तैयार हो न ? मैं बोली- अब हो गया न ... अब कितना करोगे ? “अभी तुमको मजा कहाँ मिला मेरी [...]

[Full Story >>>](#)

### बहन की चुदाई करवायी बाँस से-1

दोस्तो, आपकी कोमल मिश्रा एक बार फिर हाजिर है अपनी असल जिंदगी की एक और नई कहानी के साथ ! आप लोगों को मेरी जिंदगी की कहानियाँ कैसी लग रही है, ये मुझे जरूर बतायें, मुझे मेल करें. मेरी पिछली कहानी [...]

[Full Story >>>](#)

### जीजा ने मुझे रंडी बना दिया-12

कहानी के पिछले भाग में आपने पढ़ा कि दोनों सेटों ने मेरी चूत और गांड की चुदाई शुरू कर थी. अभय ने मेरी चूत में लंड को पेल दिया और विवेक ने पीछे से मेरी गांड में लंड को डाल [...]

[Full Story >>>](#)

### मासी के संग चुदाई की वो रात

नमस्ते दोस्तो, मैं आपका दोस्त आज फिर आपके लिए एक न्यू सेक्स स्टोरी लेकर आया हूँ, जो कि मेरी और मेरी सगी छोटी मासी के बीच की है. मेरी मासी का नाम आशा है और उनकी शादी हो चुकी है. [...]

[Full Story >>>](#)

